


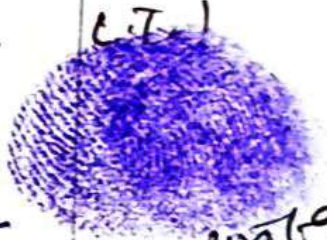
12.09-25

100-1
प्रावली पेशा हुई वकील वादीगण के ज० पत्र प्रस्तुत करने पर। वादीगण द्वारा शर्चना का पेश का निवेदन किया कि वादीगण का वादपत्र नोट प्रैस के आधार पर खारिज किया जावे। अतः ज० पत्र स्वीकार किया जाकर वादीगण का वादपत्र नोट प्रैस के आधार पर इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। प्रावली बाद तरीब तकमील होकर दाखिल दफ्तर है।

निर्णय लिखा जाकर जुले न्यायालय में सुनाया गया


(सुनील कुमार - जे.एन.)
RA 5

श्री/कर न। न।



रामेश्वर
गुरुजी देव
मुकुन्द
मुकुन्द
श्री/कर न। न।